(4)

This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19 2019

S. No. of Question Paper : **9565**

Unique Paper Code : **62131201** **IC**

Name of the Paper : **Sanskrit Prose**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit CBCS-Discipline**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्न में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

Explain any *two* of the following with reference to the context :

(*i*) तात चन्द्रापीड ! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमत्युपदेष्टव्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्य-मरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्। अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः। कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।

(*ii*) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः।

(*iii*) अभिजातमहिमिव लङ्घयति। शूरं कष्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नम् इव न स्मरति। विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति। मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति। परस्परविरुद्धञ्चेन्द्रजालमिव दर्शयन्तीप्रकटयति जगति निजं चरितम्।

2. "वाणी बाणो बभूव" के आधार पर गद्यकार बाणभट्ट की गद्यशैली को अपने शब्दों में लिखिए। 12

Write the prose style of Banabhatta according to "वाणी बाणो बभूव" in your own words.

अथवा/*Or*

शुकनासोपदेश में वर्णित युवावस्था के दोषों का वर्णन कीजिए।

Explain the demerits of young age depicted in Shuknasoupdesha.

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए : 6

Translate any *one* of the following :

(क) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्धूय कुसुमकोरकानवचिनोति, तावत् तस्यैव सतीर्थ्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तूरिका-रेणुरुषित इव श्यामः, चन्दन-चर्चित-भालः, कर्पूरागुरु-क्षोदच्छुरित-वक्षो-बाहु-दण्ड; सुगन्ध-पटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रामन्थराणि कोरकनिकुरम्बकान्तराल सुप्तानि मिलिन्द-वृन्दानिझटिति समुपसृत्यनिवारयन गौरबटुमेवम् अवादीत्।

(ख) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म।

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली का वर्णन कीजिए। 12

Explain the prose style of Ambikadutt Vyas.

अथवा/*Or*

शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में वर्णित योगी मुनि का वर्णन कीजिए।

Describe the ''Yogi Muni'' depicted in first Niśvāsa of Shivarajavijaya.

5. प्रत्येक खण्ड में से किन्हीं **तीन** का चयन करते हुए कुल **छः** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 6×2=12

Write short notes on any *six* by selecting *three* from each part :

(क) गजनिमीलितम्, आभिचारिकः, गर्भेश्वरत्वम्, वाडवानलः, पारिजातः।

(ख) खेचर-चक्र, कल्पभेदाः, मरुकरोति, शृङ्गाटक, यायजूकैः।

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 3 के किन्हीं **पाँच** रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

Write grammatical note on any *five* of the underlined words in question 1 and 3.

7. संस्कृत साहित्य के प्रमुख गद्यकारों पर एक लघु निबन्ध लिखिए। 12

Write a short essay on main prose-writers (poets) of Sanskrit Literature.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* of the following :

दण्डी, पंचतन्त्र, सिंहासनद्वात्रिंशिका, सुबन्धु।